

ग्रामीण इलाकों में पंचपति का रोग

छ तीसगढ़ के कबीरधाम जिले से आयी नवनिवारित महिला पंथों की जगह उनके पतियों द्वारा शपथ ग्रहण किये जाने की खबर चिंतनजनक इस मायने में भी है कि यह किसी तरह का अश्वय या विसर्य नहीं पैदा करती। अम तौर पर इसे इस रूप में लिया जा रहा है कि यह तो होता ही है। मामला खास इसलिए बना, क्योंकि इसका वीडियो वायरल हो गया। अगर वीडियो वायरल न हुआ होता, तो शायद ही यह घटना सुखियों में आती और किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई भी शायद ही होती।

धूमधाम से हुआ कार्यक्रम : यह इस बात से भी स्पष्ट होता है कि इस कार्यक्रम के द्वारान किसी भी संविधित व्यक्ति को इसमें कुछ भी गलत नहीं लगा। किसी ने कुछ छुपाने की ज़रूरत नहीं महसूस की। धूमधाम से गुलाल लगाये और माला पहने इन पंच पतियों को शपथ दिलायी गयी। पूरे कार्यक्रम का न केवल वीडियो बनाया गया, बल्कि उसे सोशल मीडिया पर भी डाल दिया गया। वह तो जब वीडियो वायरल हुआ और मीडिया की पूछताछ शुरू हो गयी, तब

स्थानीकरण लिये-दिये जाने लगे।

₹11.11 लाख का पिछड़ापन : अगर इस गांव की सामाजिक और शैक्षिक स्थिति पर गौर करें, तो यह सब अस्वाभाविक भी नहीं लगता। 2011 की जनगणना के मुताबिक 320

परिवर्गों और 1545 की जनसंख्या बाले इस गांव में महिलाओं और पुरुषों का अनुपात प्रति हजार पर 936 है, जो राय के लिए गुणात (969) के मुकाबले काफ़ी कम है। साक्षरता दर जहां पुरुषों में 82.86% है, वहाँ महिलाओं में यह महज 51.19% है।

जुमानी की सिफारिश : 50% आरक्षण के प्रावधान की बोलीत पंचवतों में महिलाओं को नुमांदगी तो मिल रही है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक, देश में अभी पंचवत स्तर पर कुल 32.29 लाख निवारित की गयी है, जिनमें 15.03 लाख महिलाएँ हैं। 46.6% के इस कार्यक्रम को बुरा नहीं कहा जायेगा। लेकिन व्यवहार में पिरसुता का साधा इसे निररक्षण बना देता है। इसी बजह से सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर पंचवतों में महिलाओं की जगह उनके पति वा अन्य रिस्तेदारों की भूमिका समाप्त करने के लिए समिति भी गठित की गयी थी। इस समिति की पिछले महीने आयी रिपोर्ट में ऐसे मामलों में भारी जुमानी लगाने की सिफारिश की गयी।

जागरूकता की जरूरत : लेकिन यह मामला जटिल और संवेदनशील है। कड़ी सजा पर जो का उलटा असर हो सकता है। वीडियो वायरल होने की बजह से परसवारा भले सुखियों में अग गया हो, वह ऐसा इकलौता गांव नहीं है। अन्य इलाकों से भी इस तरह की खबरें जब-तक समझे आती रहती हैं। ऐसे में कड़ी सजा की बजाय जागरूकता फैलाने पर जो होना चाहिए। पंचवतों के कामकाज में महिलाओं की भारीदारी और उनका आत्मविश्वास बढ़ाने में प्रशासन की रचनात्मक भूमिका महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

इस बार अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का थीन 'कार्वाई में तेजी लाना'

है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का उद्देश महिलाओं को सामाजिक, अर्थीक और राजनीतिक समानता देने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस दिवस का उद्देश महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। महिलाओं और पुरुषों को बीच समाज में उनके जड़ों तक बढ़ावा देने के तहत उद्देश्य से भी इस तरह की खबरें जब-तक समझे आती रहती हैं। ऐसे में कड़ी सजा की बजाय जागरूकता फैलाने पर जो होना चाहिए। पंचवतों के कामकाज में महिलाओं की भारीदारी और उनका आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए समाज का उल्लेखनीय अवधिकारी और राजनीतिक व्यक्तियों की ज़रूरत है।

भारतीय स्वाधीनता संग्राम के नायक

निरक्षरता महिलाओं के सशक्तिकरण में गंभीर बाधा रही है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का उद्देश महिलाओं को सामाजिक, अर्थीक और राजनीतिक समानता देने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस दिवस का उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। महिलाओं और पुरुषों को बीच समाज में जड़ों तक बढ़ावा देने के तहत उद्देश्य से भी इस तरह की खबरें जब-तक समझे आती रहती हैं। ऐसे में कड़ी सजा की बजाय जागरूकता फैलाने पर जो होना चाहिए। पंचवतों के कामकाज में महिलाओं की भारीदारी और उनका आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए समाज का उल्लेखनीय अवधिकारी और राजनीतिक व्यक्तियों की ज़रूरत है।

भारतीय स्वाधीनता संग्राम के नायक

निरक्षरता महिलाओं के सशक्तिकरण में गंभीर बाधा रही है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का उद्देश

महिलाओं को सामाजिक, अर्थीक और राजनीतिक समानता देने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस दिवस का उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। महिलाओं और पुरुषों को बीच समाज में जड़ों तक बढ़ावा देने के तहत उद्देश्य से भी इस तरह की खबरें जब-तक समझे आती रहती हैं। ऐसे में कड़ी सजा की बजाय जागरूकता फैलाने पर जो होना चाहिए। पंचवतों के कामकाज में महिलाओं की भारीदारी और उनका आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए समाज का उल्लेखनीय अवधिकारी और राजनीतिक व्यक्तियों की ज़रूरत है।

भारतीय स्वाधीनता संग्राम के नायक

निरक्षरता महिलाओं के सशक्तिकरण में गंभीर बाधा रही है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का उद्देश

महिलाओं को सामाजिक, अर्थीक और राजनीतिक समानता देने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस दिवस का उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। महिलाओं और पुरुषों को बीच समाज में जड़ों तक बढ़ावा देने के तहत उद्देश्य से भी इस तरह की खबरें जब-तक समझे आती रहती हैं। ऐसे में कड़ी सजा की बजाय जागरूकता फैलाने पर जो होना चाहिए। पंचवतों के कामकाज में महिलाओं की भारीदारी और उनका आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए समाज का उल्लेखनीय अवधिकारी और राजनीतिक व्यक्तियों की ज़रूरत है।

भारतीय स्वाधीनता संग्राम के नायक

निरक्षरता महिलाओं के सशक्तिकरण में गंभीर बाधा रही है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का उद्देश

महिलाओं को सामाजिक, अर्थीक और राजनीतिक समानता देने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस दिवस का उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। महिलाओं और पुरुषों को बीच समाज में जड़ों तक बढ़ावा देने के तहत उद्देश्य से भी इस तरह की खबरें जब-तक समझे आती रहती हैं। ऐसे में कड़ी सजा की बजाय जागरूकता फैलाने पर जो होना चाहिए। पंचवतों के कामकाज में महिलाओं की भारीदारी और उनका आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए समाज का उल्लेखनीय अवधिकारी और राजनीतिक व्यक्तियों की ज़रूरत है।

भारतीय स्वाधीनता संग्राम के नायक

निरक्षरता महिलाओं के सशक्तिकरण में गंभीर बाधा रही है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का उद्देश

महिलाओं को सामाजिक, अर्थीक और राजनीतिक समानता देने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस दिवस का उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। महिलाओं और पुरुषों को बीच समाज में जड़ों तक बढ़ावा देने के तहत उद्देश्य से भी इस तरह की खबरें जब-तक समझे आती रहती हैं। ऐसे में कड़ी सजा की बजाय जागरूकता फैलाने पर जो होना चाहिए। पंचवतों के कामकाज में महिलाओं की भारीदारी और उनका आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए समाज का उल्लेखनीय अवधिकारी और राजनीतिक व्यक्तियों की ज़रूरत है।

भारतीय स्वाधीनता संग्राम के नायक

निरक्षरता महिलाओं के सशक्तिकरण में गंभीर बाधा रही है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का उद्देश

महिलाओं को सामाजिक, अर्थीक और राजनीतिक समानता देने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस दिवस का उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। महिलाओं और पुरुषों को बीच समाज में जड़ों तक बढ़ावा देने के तहत उद्देश्य से भी इस तरह की खबरें जब-तक समझे आती रहती हैं। ऐसे में कड़ी सजा की बजाय जागरूकता फैलाने पर जो होना चाहिए। पंचवतों के कामकाज में महिलाओं की भारीदारी और उनका आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए समाज का उल्लेखनीय अवधिकारी और राजनीतिक व्यक्तियों की ज़रूरत है।

भारतीय स्वाधीनता संग्राम के नायक

निरक्षरता महिलाओं के सशक्तिकरण में गंभीर बाधा रही है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का उद्देश

महिलाओं को सामाजिक, अर्थीक और राजनीतिक समानता देने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस दिवस का उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। महिलाओं और पुरुषों को बीच समाज में जड़ों तक बढ़ावा देने के तहत उद्देश्य से भी इस तरह की खबरें जब-तक समझे आती रहती हैं। ऐसे में कड़ी सजा की बजाय जागरूकता फैलाने पर जो होना चाहिए। पंचवतों के कामकाज में महिलाओं की भारीदारी और उनका आत्मव

तीन लाख छह हजार 583 वादों का शुरुआती चार घंटे में हुआ निपटारा राष्ट्रीय लोक अदालत में एक अरब 38 करोड़ 26 लाख की रिकवरी

आजाद सिपाही संबाददाता

धनबाद। नालसा के निर्देश पर इस साल के पहले राष्ट्रीय लोक अदालत का शनिवार के शुभारंभ हुआ, जिसका उद्घाटन धनबाद के प्रधानमन्त्री एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा के चेयरमैन वीरेंद्र कुमार तिवारी और डीसी सह डालसा के वाइस चेयरमैन माधवी मिश्रा ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत सर्विधान की परिकल्पना को पूरी की दिशा में एक कदम है। नवंबर 2013 से पूरे देश में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन हर तीन महीने में किया जा रहा है। हमारा सर्विधान हर लोगों को सामाजिक, आर्थिक एवं सत्ता सुलभ न्याय की गारंटी देता है। डीसी माधवी मिश्रा ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन हर तीन महीने के बावजूद तीन लाख छह हजार 583 विभिन्न तरह के विवादों का निपटारा कर दिया गया। इसमें दो लाख 75 हजार 412 विभिन्न तरह के विवादों का निपटारा कर दिया गया। इसमें दो लाख 171 विभिन्न तरह के लालौत मुकदमे निष्पादित किए गए। इनमें कुल एक 38 करोड़ 26 लाख 49 हजार 932 रुपए की रिकवरी भी की गई। उन्होंने शाम चार बजे तक इस अंकड़े की ओर बढ़ने की भी उम्मीद जताई। उन्होंने सभी वादकारी, न्यायिक पारिवारियों विभाग के अधिकारियों एवं बार एसोसिएशन के अधिकारियों का सहयोग के लिए आयोजित करते जा रहे हैं। जबकि अबर



राष्ट्रीय लोक अदालत में उपस्थित डालसा के गणमान्य लोग।

न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव राकेश रोशन ने कहा कि लोक अदालत के अपरेंट्र कुमार सहाय ने कहा कि लोक अदालत में कोर्ट का चेयरमैन वीरेंद्र कुमार सहायने और ऐसे लोगों को नानूपी पचड़ों से मुक्ति मिल रही है।

तीन लाख से अधिक वादों का निपटारा

अबर न्यायाधीश राकेश रोशन ने बताया कि विवादों एवं मुकदमों का सहयोग के लिए आयोजित करते जा रहे हैं। जबकि अबर

निपटारे के लिए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के आदेश पर 14 बेंच का गठन किया गया था है। जिनकी ओर से विभिन्न तरह के सुलहनीय विवादों का निपटारा किया गया। शुरुआत के चार घंटे यानी दोपहर दो बजे तक ही कुल तीन लाख छह हजार 583 विभिन्न तरह के विवादों का निपटारा कर दिया गया। इसमें दो लाख 75 हजार 412 विभिन्न तरह के विवादों का निपटारा कर दिया गया। इसमें दो लाख 171 विभिन्न तरह के लालौत मुकदमे निष्पादित किए गए। इनमें कुल एक 38 करोड़ 26 लाख 49 हजार 932 रुपए की रिकवरी भी की गई। उन्होंने शाम चार बजे तक इस अंकड़े की ओर बढ़ने की भी उम्मीद जताई। उन्होंने सभी वादकारी, न्यायिक पारिवारियों विभाग के अधिकारियों एवं बार एसोसिएशन के अधिकारियों का सहयोग के

लिए आभार प्रकट किया। इसमें दो लालौत 412 विभिन्न तरह के विवादों का निपटारा कर दिया गया। इसमें दो लालौत 171 विभिन्न तरह के लालौत मुकदमे निष्पादित किए गए। इनमें कुल एक 38 करोड़ 26 लाख 49 हजार 932 रुपए की रिकवरी भी की गई। उन्होंने शाम चार बजे तक इस अंकड़े की ओर बढ़ने की भी उम्मीद जताई। उन्होंने सभी वादकारी, न्यायिक पारिवारियों विभाग के अधिकारियों एवं बार एसोसिएशन के अधिकारियों का सहयोग के

मां अस्पताल के डायग्नोस्टिक सेंटर में छापामारी, सेंटर-यूएसजी मशीन सील

धनबाद (आजाद सिपाही) | पीसी एंड पीएनडीटी जांच टीम की ओर से शनिवार को धनबाद के डाइग्नोस्टिक सेंटर में औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान पीसी एंड पीएनडीटी टीम द्वारा मां डाइग्नोस्टिक के अल्ट्रा सार्टेंड सेंटर में अन्यायिक व्यक्ति द्वारा अल्ट्रासूल्ट कठोर पकड़ा गया, जो विभिन्नों का उल्लंघन है। इस पर त्वरित कार्रवाई अरती माला, अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी अरती माला, अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी राजीव त्रिपाठी, सिविल जज आइजेड खान, अनुपमंडल न्यायिक दंडाधिकारी अभिजीत पांडेय, रेलवे के न्यायिक दंडाधिकारी मोजी कुमार, ऋषी कुमार, स्थायी लोक अदालत में चेयरमैन पीयूष कुमार, सर्फिकेट अफिसर अरएन ठाकुर, स्टेट बैंक के रिजनल मैनेजर निर्मल कुमार, डिटी जीएम विकास रंजन घटनायक, जीओआई के पवन कुमार भारती, कंज्यूमर फोरम की सदस्या शिप्रा, डालसा के पैनल अधिकारी, लीगल एड डिफेंस कार्तिंसिल सिस्टम की ओर से एक व्यक्ति द्वारा अधिकारी भी की गयी। उन्होंने शाम चार बजे तक इस अंकड़े की ओर बढ़ने की भी उम्मीद जताई। उन्होंने सभी वादकारी, न्यायिक पारिवारियों विभाग के अधिकारियों एवं बार एसोसिएशन के अधिकारियों का सहयोग के



एवं डीसी द्वारा गठित पीसी एंड पीएनडीटी टीम ने उस सेंटर और कुमार राणा, डॉ सुरीया कुमार, डॉ राकेश सिंह, डॉ सैम्स तबरेज आतम, एवं एनजीओ से नीता रविंद्र नाथ ठाकुर, सहायक नोडल

पीसी एंड पीएनडीटी डॉ विकास कुमार राणा, डॉ सुरीया कुमार, डॉ राकेश सिंह, डॉ सैम्स तबरेज आतम, एवं एनजीओ से नीता रविंद्र नाथ ठाकुर, सहायक नोडल

सिंह शामिल थे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं को किया गया सम्मानित

कार्यालय के विभागाध्यक्ष आदि क्षेत्रीय सुरक्षा पदाधिकारी अवधेश उपरिथ थे। धन्यवाद जापन के गिया।



कार्यालय नगर परिषद, रामगढ़

शुद्धि-पत्र

सर्व साधारण संचयित किया जाता है कि नगर परिषद, रामगढ़ द्वारा प्रकाशित अति-अल्पकालिन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या NIT/RGH/NP/23/2024-25 जिसका PR No.-346779 District 24-25(D) के द्वारा प्रकाशित की गई है, जिसमें निविदा की तिथि का आंशिक संचयन किया जाता है।

निम्न प्रकार है—

1	परिमाण विपत्र विक्रय की तिथि	दिनांक : 17-03-2025 से 19-03-2025 अपराह्न 04:00 बजे तक।
2	निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय	दिनांक 22-03-2025 पूर्वाह्न 04:00 बजे
3	निविदा खोलने की तिथि व समय	दिनांक 24-03-2025 अपराह्न, 12:00 बजे से।

निविदा सूचना की शेष भाग एवं शर्तें पूर्ववत् रखें।

कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद, रामगढ़

PR 348156 (District)24-25*D

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, WATER WAYS DIVISION NO.2, HAZARIBAG.

Very Short e-Procurement Tender Notice No.- 14/2024-25- D.M.F.T.

Group No	Scheme Name	Estimated Cost (In Rs.)	Time of Completion
1.	Various Construction Works for Renovation of Primary School, Beladohar under Barhi Block	55,83,750.00	3 Months
2.	Various Construction Works for Renovation of Govt. Middle School, Bendgi under Barhi Block	60,77,410.00	3 Months
3.	Various Construction Works for Renovation of Upgraded Primary School, Bhagwanbagi under Barkagaon Block	61,13,780.00	3 Months
1.	Date of Publication of e-Tender on website	12.03.2025 at 3:00 P.M	
2.	Last date/Time for Submission of e-Tender bids Online	22.03.2025 up to 4:00 P.M (e-Procurement Portal- http://jharkhandtenders.gov.in)	
3.	Last Date for Online Submission of Tender Fee and EMD	22.03.2025 up to 4:00 P.M	
4.	Date of opening of e-Tender	24.03.2025 at 05:00 P.M	
5.	Name & address of office Inviting tender	Executive Engineer, Water Ways Division No.2, Hazaribag	
6.	Contact no. of e-Procurement officer	06546-298163, 7903709450	
7.	E-mail of e- Procurement officer	ewwwdchak2-cer-jhr@nic.in	

Note:- 1) Only e-Tender will be accepted.

2) Published Estimated Cost may be increased or decreased.

3) Further details can be seen and Mode of Submission of Online Tender/Tender Fee/EMD through http://jharkhandtenders.gov.in

Executive Engineer, Water Ways Division No.2, Hazaribag.

PR.NO.348170 Water Resource(24-25):D

पत्रांक	दिनांक
अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, कोडरमा	
1.	कार्यालयकारी निविदा आमंत्रण सूचना सं 43/2024-25
2.	प्रधानमन्त्री की दिवानी की तिथि एवं समय
3.	निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय
4.	निविदा खोलने की तिथि एवं समय
5.	परिमाण विपत्र विक्री का स्थान
6.	निविदा प्राप्ति का स्थान
7.	कार्य की विवरणी
प्रधानमन्त्री की विवरणी	
8.	कार्यालयकारी निविदा आमंत्रण सूचना पट्टी
9.	कार्यालयकारी निविदा आमंत्रण सूचना पट्टी
10.	कार्यालयकारी निविदा आमंत्रण सूचना पट्टी
11.	कार्यालयकारी निविदा आमंत्रण सूच

